[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5501 **L**

Unique Paper Code : 2134000024

Name of the Paper : Ancient Indian Architectural System

Name of the Course : **Common Prog. Group - GE**

Semester : VIII, NEP UGCF 2022

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2 Answer all questions.
2. Answer may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश.

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर हिंदी या अंग्रेजी किसी भी एक भाषा में होना चाहिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होना चाहिए।

1. बृहद्वास्तुमाला के अनुसार वास्तु के विविध प्रकारों का वर्णन करें। (18)
Describe the various types of Vāstu according to the Brihadvastumala.

अथवा/Or

वास्तुशास्त्रीय सिद्धान्तों में पञ्चमहाभूतों के महत्त्व को स्पष्ट करें।।
Explain the importance of the five great elements (Pañcha–mahābhūta) in the principles of Vāstuśāstra.

2. आधुनिक काल में वास्तुशास्त्र के महत्त्व को स्पष्ट करें। (18)
Clarify the importance of Vāstuśāstra in the modern era

P.T.O.

अथवा/Or

भूमि के प्लवत्व के अनुसार वास्तु के भेदों की चर्चा कीजिए।
Discuss the types of vastu according to the flotation of the land.

3. बृहद्वास्तुमाला के अनुसार भूमिशोधन की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए। (18)

Describe the various methods of land reclamation according to Brihadvastumala.

अथवा/Or

भोजकृत समरांगणसूत्रधार के आधार पर गृहस्थ आश्रम के महत्त्व को रेखांकित करें।
On the basis of Bhoja's Samarāṅgaṇa–Sūtradhāra, highlight the importance of the Gṛihastha Āśhrama.

4. बृहद्वास्तुमाला के अनुसार गृहनिर्माण में ग्राह्य एवं निषिद्ध काष्ठ का वर्णन करें।। (18)

According to the Brihadvastumala, describe the acceptable wood and prohibited wood in house construction.

अथवा/Or

वास्तुरत्नाकर के अनुसार वर्णाश्रम धर्म के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
According to Vasturatnakara, explain the importance of Varnashrama Dharma.

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर टिप्पणी लिखिए: (3×6=18)
Write short notes on **any three** of the following:

(i) रुचकवास्तु
(Ruchakvastu)

(ii) सर्वतोभद्रवास्तु
(Sarvatobhadravastu)

(iii) स्तम्भस्थापन
(Pillar Installation)

(iv) द्वारसज्जा
(Door Decoration)

(v) गृहविभाग
(Grih Vibhag)

(vi) पशुगृहनिर्माण
(Animal House Construction)